सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 39 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 11 मार्च, 2024
मूल्य ₹ 3/-

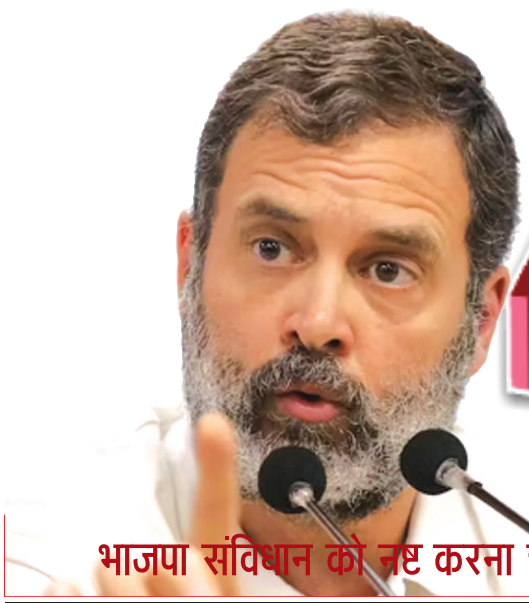

इंतजार करने वालों को केवल उतना मिलता है, जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं।

-डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

भाजपा संविधान को नष्ट करना चाहती... 7

सीटों को लेकर अटक-भटक रहे... 3

आप का साथ दें, हमारे साथ... 2

एसबीआई को लगी सुप्रीम फटकार हर हाल में कल तक दें हिसाब

» चुनावी बॉन्ड मामले में सुनवाई समयसीमा बढ़ाने से किया इनकार, शीर्ष अदालत बोली- 26 दिन में क्या किया

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनावी बॉन्ड मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को फटकार लगाई है। सीजेआई ने बैंक से कहा कि हमने आपको डेटा मिलान के लिए नहीं कहा था, आप आदेश का पालन कीजिए, जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि आपको सिर्फ डेटा सील कवर से निकालना है और भेजना है। साथ ही कोर्ट ने कहा कि आदेश न पूरा होने पर अवमानना का केस दर्ज होगा। सीजेआई ने एबीआई से पूछा कि आपने पिछले 26 दिनों में क्या काम किया, कितना डेटा मिलान किया, सीजेआई ने ये भी कहा कि मिलान के लिए समय मांगना सही नहीं है, हमने आपको ऐसा करने का निर्देश नहीं दिया है, आखिरकार सारा ब्यौरा मुंबई मुख्य शाखा में भेजा जा चुका है, आपने अर्जी में कहा है कि एक साइलो से दूसरे साइलो में जानकारी का मिलान समय लेने वाली प्रक्रिया।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा चुनावी बॉन्ड की जानकारी देने के लिए 30 जून तक की मोहलत की मांग वाली अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट में एडीआर व एसबीआई के खिलाफ अवमानना का मामला चलाने की याचिका पर भी सुनवाई हुई।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पांच जजों की बेंच में सुनवाई हुई।

हमें और वक्त चाहिए था : साल्वे

हरीश साल्वे ने एसबीआई की ओर से दलील दी कि हमें और वक्त चाहिए, साल्वे ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक एसबीआई को अप्रैल 2019 से अब तक का ब्योरा चुनाव आयोग को देना है। हमारी एकमात्र समस्या यह है कि हम पूरी प्रक्रिया को उलटने की कोशिश कर रहे हैं। हमारी एसओपी ने सुनिश्चित किया कि हमारे कोर बैंकिंग सिस्टम और बांड नंबर में खरीदार का कोई नाम नहीं था। हमें बताया गया कि इसे गुप्त रखा जाना चाहिए. हम जानकारी एकत्र करने की कोशिश कर रहे हैं।

'कल तक ब्यौरा दें, 15 मार्च तक चुनाव आयोग प्रकाशित करे'

चुनावी बॉन्ड मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई की याचिका खारिज करते हुए 12 मार्च तक ब्योरा देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही ईसी (चुनाव आयोग) को 15 मार्च तक ये ब्योरा पब्लिश करने के निर्देश दिए गए हैं। सीजेआई ने कहा कि हमने आपको डेटा मिलान के लिए नहीं कहा था, आप आदेश का पालन कीजिए। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने एसबीआई के वकील से कहा कि आप कहते हैं कि दाता का विवरण एक निर्दिष्ट शाखा में एक सीलबंद लिफाफे में रखा गया था। सभी सीलबंद लिफाफे मुंबई में मुख्य शाखा में जमा किए गए थे। दूसरी ओर राजनीतिक दल 29 अधिकृत बैंकों से पैसा भुना सकते हैं। वकील हरीश साल्वे ने दलील दी कि इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदने की तारीख और खरीदने वाले का नाम एक साथ उपलब्ध नहीं है, उसे कोड किया गया है, उसे डिकोड करने में समय लगेगा।

जांचने की जरूरत है, क्या एसबीआई की मांग उचित : कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में एसबीआई ने समय सीमा समाप्त होने से 2 दिन पहले इस अदालत के समक्ष एक आवेदन दायर किया, जिसमें 30 जून तक विस्तार की मांग की गई। इस बात का विश्लेषण किया जाना चाहिए कि क्या एसबीआई का समय विस्तार की मांग करना उचित है। एसबीआई इस आधार पर समय विस्तार चाहता है कि चुनावी बॉन्ड को डिकोड करने और दानकर्ताओं को दान से मिलाने की प्रक्रिया एक जटिल और समय लेने वाली प्रक्रिया है, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमें यह जांचने की जरूरत है कि क्या एसबीआई द्वारा की गई मांग उचित है? इसमें कहा गया है कि जहां तक बॉन्ड की बिक्री और भुनाने का सवाल है, जानकारी डिजिटल प्रारूप में उपलब्ध नहीं है, इसके अलावा कोई केंद्रीय डेटाबेस भी नहीं है, दाता विवरण, प्राप्तकर्ता विवरण दो अलग साइलो में उपलब्ध हैं, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 12 अप्रैल 2019 से 15 फरवरी 2024 तक 22217 बॉन्ड खरीदे गए. एसबीआई की दलील का सार यह है कि किस राजनीतिक दल को किसने योगदान दिया, यह पता लगाने के लिए जानकारी का मिलान एक समय लेने वाली प्रक्रिया है।

बकाया आयकर मामले में हाईकोर्ट पहुंची कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने 105 करोड़ रुपये से अधिक के बकाया कर की वसूली के लिए आयकर विभाग की ओर से जारी नोटिस पर रोक लगाने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया है। इससे पहले शुक्रवार को आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) ने उनके बैंक खातों की वसूली और फ्रीज करने की आयकर विभाग की कार्यवाही के खिलाफ स्थगन याचिका खारिज कर दी थी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा ने मामले का उल्लेख किया। अदालत ने आज ही मामले की सुनवाई की अनुमति दे दी है। वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ के समक्ष यह याचिका पेश की। पिछले सप्ताह, आयकर अपीलीय अधिकरण ने विगत वर्षों के टैक्स रिटर्न में विसंगतियों के लिए जुर्माना लगाने के खिलाफ कांग्रेस पार्टी की अपील को खारिज कर दिया था। पार्टी ने पहले कहा था कि कांग्रेस के कोष पर रोक लगाने का अधिकरण का आदेश 'लोकतंत्र पर हमला' है क्योंकि यह लोकसभा चुनाव से ठीक पहले आया है। इससे पहले अधिकरण (आईटीएटी) ने यहां आयकर विभाग द्वारा 210 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाए जाने के खिलाफ कांग्रेस की अपील खारिज कर दी थी।

तत्काल सुनवाई की आवश्यकता : तन्खा

वरिष्ठ अधिवक्ता व कांग्रेस नेता तन्खा ने कहा कि इस मामले पर तत्काल सुनवाई की आवश्यकता है क्योंकि कांग्रेस के खातों से लेनदेन पर रोक लगा दी गयी है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन ने कहा कि अगर याचिका क्रम में है तो उसे आज सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए।

आप का साथ दें, धर्म भी हमारे साथ

» सीएम केजरीवाल ने कहा- कुरूक्षेत्र में भगवान कृष्ण हमारे साथ हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उनकी पार्टी के साथ धर्म है और लोगों से यह तय करने को कहा कि वे धर्म के साथ हैं या अधर्म के साथ। हरियाणा के कुरुक्षेत्र लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री ने लोगों से इस सीट से आप के उम्मीदवार सुशील गुप्ता को वोट देने का आग्रह किया। आप और कांग्रेस गठजोड़ के तहत हरियाणा में लोकसभा चुनाव लड़ रही हैं।

समझौते के तहत, आप राज्य की कुल 10 संसदीय सीट में से एकमात्र कुरुक्षेत्र सीट पर चुनाव लड़ेगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-जननायक जनता पार्टी (जजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व वाली सरकार ने हरियाणा को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा कि अब, हर कोई चाहता है कि खट्टर सरकार जाए। कुरुक्षेत्र सीट पर आप की जीत सुनिश्चित करें...आगे खट्टर की सरकार जाने की खबर आएगी। जनसभा को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने महाभारत का जिक्र किया और कहा कि कुरुक्षेत्र एक पवित्र भूमि है जहां धर्मयुद्ध लड़ा गया था। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ मौजूद आप संयोजक केजरीवाल ने कहा कौरवों के पास सब कुछ होने के बावजूद पांडवों की जीत हुई थी। उन्होंने कहा, पांडवों के पास क्या था? भगवान श्री कृष्ण उनके साथ थे। केजरीवाल ने कहा, आज हमारे पास क्या है। हम बहुत छोटे हैं। भगवान श्री कृष्ण हमारे साथ हैं। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का जिक्र करते हुए केजरीवाल ने कहा, उनके पास सब कुछ है। उनके पास सभी शक्तियां हैं। उनके पास आईबी, सीबीआई, ईडी है। केजरीवाल ने उपस्थित लोगों से कहा, हमारा धर्म हमारे साथ है। यह धर्म और अधर्म की लड़ाई है और आपको यह तय करना होगा कि आप धर्म के साथ हैं या अधर्म के साथ। उन्होंने कहा कि भाजपा दावा कर रही है कि वह लोकसभा चुनाव में 370 सीट जीतने जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, वे खुलेआम कह रहे हैं कि उन्हें आपके वोट की जरूरत नहीं है। केजरीवाल ने कहा, मैं दिल्ली से हाथ जोड़कर आपसे वोट मांगने आया हूं। सुशील गुप्ता जी आपका वोट मांगने के लिए घर-घर जा रहे हैं। हमें चुनाव जीतने के लिए आपके वोट की जरूरत है। उन्हें (भाजपा को) आपके वोट की जरूरत नहीं है।

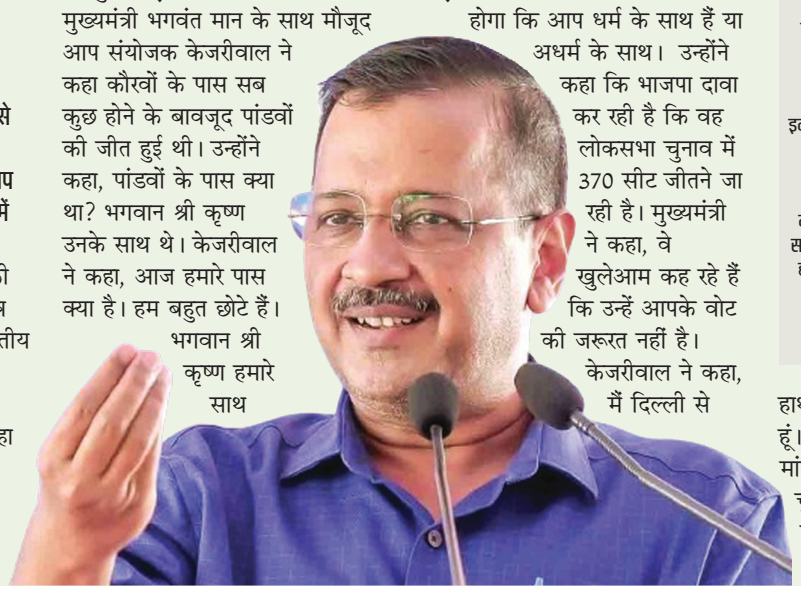

देश में दो तरह के लोग हैं एक देशभक्त और दूसरे अंधभक्त

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि देश मे दो तरह के लोग है। उन्होने कहा कि एक देशभक्त है और दूसरा अंधभक्त है। उन्होने कहा, जो देशभक्त है वे मेरे साथ आएं...हमे अंधभक्त की जरूरत नही है। हरियाणा के भाजपा सांसदो की आलोचना करते हुए केजरीवाल ने दावा किया कि उन्होने राज्य के लोगो के लिए कभी कुछ नही किया। केजरीवाल ने कहा, आप पिछले दो लोकसभा चुनावो से सभी 10 सीटे भाजपा को दे रहे है। मै आपसे पूछना चाहता हू कि इन 10 सांसदो ने पिछले 10 साल मे आपके लिए क्या किया। एक काम बताओ जो उन्होने किया...उन्होने कुछ नही किया। उन्होने सवाल किया, वे आपके सांसद नही है। वे भाजपा सांसद है। वे भाजपा के गुलाम है। जब आपने पिछले 10 वर्षो मे इतनी सारी समस्याओ का सामना किया, तो वे कहां थे। उन्होने हरियाणा के पहलवानो का मुद्दा भी उठाया, जिन्होने पिछले साल महिला पहलवानो के यौन उत्पीड़न के आरोप मे तत्कालीन भारतीय कुश्ती महासंघ प्रमुख के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था।

केवल दूसरों से छीनती है भाजपा : उद्धव ठाकरे

» चुनाव में उसका चोर बाजार खत्म कर देंगे

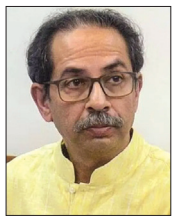

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कभी किसी आंदोलन या संघर्ष का हिस्सा नहीं रही और ना ही उसने खुद से कुछ बनाया है, वह केवल दूसरों से छीनना जानती है। ठाकरे उपनगरीय मुंबई में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, भाजपा स्वतंत्रता आंदोलन, संयुक्त महाराष्ट्र संघर्ष या मराठवाड़ा मुक्ति संग्राम का हिस्सा नहीं थी। वह केवल छीनना जानती है। हम चुनाव में भाजपा के चोर बाजार को नष्ट कर देंगे। उसने हमारी दोस्ती देखी है, लेकिन अब भाजपा हमारे मशाल (चुनाव चिह्न जलती मशाल) की गर्मी देखेगी।

ठाकरे ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अधिकारियों से भाजपा की भ्रष्ट गतिविधियों का हिस्सा नहीं बनने के लिए कहा। ठाकरे ने दोहराया कि अमोल कीर्तिकर मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा सीट से उनकी पार्टी के उम्मीदवार होंगे। वह मौजूदा सांसद गजानन कीर्तिकर के बेटे हैं, जो एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का हिस्सा हैं। एक दिन पहले ठाकरे की घोषणा पर कांग्रेस नेता संजय निरुपम ने नाराजगी भरी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी जो 2019 में इस सीट से चुनाव हार गए थे।

बीजेपी के पुराने चहेते करते हैं मेरी आलोचना : आजाद

» भाजपा की बी टीम कहे जाने पर बरसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। डीपीएपी के नेता गुलाम नबी आजाद ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए ऐसी सरकार चुनना आसान होगा जो उनके लिए काम करेगी क्योंकि सभी क्षेत्रीय और राष्ट्रीय दलों को यहां शासन करने का मौका मिला है। पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके आजाद ने यहां कहा, हर पार्टी - चाहे वह राष्ट्रीय पार्टी हो या क्षेत्रीय -को जम्मू-कश्मीर पर शासन करने का मौका मिला है।

इससे अब लोगों के लिए ऐसी सरकार चुनना आसान हो गया है जो उनके लिए काम करेगी। डीपीएपी को भाजपा की बी टीम कहे जाने के आरोपों को लेकर आजाद ने कहा कि उनके आलोचक अतीत में भाजपा से जुड़े रहे हैं। उन्होंने कहा, जो लोग हमें भाजपा की बी टीम कहते हैं, वे उनके साथ थे, वे भाजपा की ए टीम थे।

संविधान के रक्षक और भक्षक के बीच लड़ाई : अखिलेश

» बोले- भाजपा सरकार में लगातार शिक्षा का स्तर गिरता जा रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीएम की रैली पर अखिलेश ने जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आजमगढ़ और प्रदेश की जनता इस बार भाजपा को करारी शिकस्त देगी। संविधान के रक्षक एक तरफ और संविधान के भक्षक दूसरी तरफ होंगे। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के इंडिया गठबंधन से बाहर जाने के सवाल पर कहा कि इसकी जानकारी नहीं है। अखिलेश ने कहा कि नेताजी मुलायम सिंह यादव और समाजवादी सरकार में हुए कामों का ही भाजपा सरकार उद्घाटन कर रही है।

अखिलेश उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन की बहाली, शिक्षामित्रों का समायोजन और वित्तविहीन शिक्षकों को मानदेय दिलाना हमारे मुख्य मुद्दे हैं। सरकार में आने पर ये सभी वादे पूरे करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में लगातार शिक्षा का स्तर गिरता जा रहा है। संस्थानों में दाखिले नहीं हो रहे हैं। युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही है। पेपर लीक हो रहे हैं। सपा सरकार में प्राइमरी स्कूलों में गरम खाने की व्यवस्था शुरू हुई थी, जिसे इस सरकार ने रोक दिया। कहा, इस बार बेरोजगार और शिक्षक दोनों मिलकर भाजपा को हराएंगे। वह सपा मुख्यालय में समाजवादी शिक्षक सभा की बैठक के दौरान मीडिया से बात कर रहे थे। लोकसभा चुनाव को लेकर बदायूं में सपा का राजनीतिक मिजाज बदल सकता है। एक बार फिर उम्मीदवार बदलने के संकेत सामने आए हैं। सपा के दिग्गजों में हर स्तर पर दो तरह की राय सामने आई हैं। एक वर्ग दो बार बदायूं से सांसद रहे धर्मेंद्र यादव को फिर से उम्मीदवार बनाना चाहता है, जबकि सपा के ही कुछ नेता धर्मेंद्र यादव से खफा हैं। वे उनको न लड़ाए जाने का आग्रह पिछले दिनों सपा मुखिया अखिलेश यादव से भी कर चुके हैं। इसके बाद ही धर्मेंद्र यादव के स्थान पर शिवपाल सिंह यादव का नाम आया था। अब सपा के सूत्रों का कहना है कि खुद शिवपाल सिंह यादव बदायूं से चुनाव लड़ने के लिए उत्साहित नहीं हैं।

सपा राज्य कार्यकारिणी के सदस्य बने ललित

समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने राज्य कार्यकारिणी में हापुड़ निवासी ललित सिंह जाटव एडवोकेट को प्रदेश सदस्य नामित किया है। मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड में आगरा निवासी सत्यदेव यादव तथा सुल्तानपुर निवासी नवनीत कुमार यादव को प्रदेश सचिव नामित किया गया है। समाजवादी युवजन सभा में प्रयागराज निवासी हिमांशु सिंह को प्रदेश सचिव नामित किया गया है।

यूपी की सभी सीटों पर गठबंधन के प्रत्याशी जिताएं : अविनाश

» अखिलेश यादव से मिलने पहुंचे कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय और प्रभारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा 2024 चुनाव के मद्देनजर 17 सीटों में उम्मीदवार तय करने के लिए सपा कार्यालय में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और यूपी प्रभारी अविनाश पांडेय पहुंचे। बैठक से निकलकर कांग्रेस यूपी प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा कि दोनों दलों के नेताओं ने सभी 80 सीटों को जिताने को लेकर चर्चा की। हम साथ में चुनाव प्रचार और रणनीति के लिए भी ऐसे ही आगे मिलते रहेंगे।

हमारी कोशिश होगी कि हम यूपी की सभी 80 सीटों पर इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी को जिताएं। ऐसा माना जा रहा है कि अखिलेश के साथ इस बैठक में उन सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशियों पर चर्चा हो सकती है जो कांग्रेस को लड़नी हैं। अखिलेश यादव पहले भी कई बार कहते आए हैं कि प्रत्याशी कौन होगा इसका फैसला भी दोनों दल मिलकर करेंगे। इसके पहले कांग्रेस मुख्यालय में प्रत्याशी चयन को लेकर बैठक हुई।

आज भी होगी समन्वय समिति की बैठक : उदयवीर

बैठक के बाद सपा नेता उदयवीर ने बताया कि कांग्रेस सपा समन्वय समिति की बैठक कल भी होगी। इसमें कांग्रेस को दी गईं 17 सीटों पर तैयारी के बारे में विस्तार से विचार विमर्श होगा। आज भी दोनों ओर से सुझावों का आदान-प्रदान किया गया।

सीटों को लेकर अटक-भटक रहे सियासतदां

नेताओं ने कसी कमर, लोक चुनाव-24 पर अब नजर

» कांग्रेस व बीजेपी गठबंधन सहेजने में लगे

» भाजपा नेताओं ने हर बातचीत पर साधी चुप्पी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर से लेकर दक्षिण तक सियासत में इस समय गठबंधनों की बाते हो रही है। भाजपा का गठबंधन एनडीए हो या कांग्रेस का इंडिया सब अपने परिवार को बढ़ाने की जुगत मे हैं। पर इन सबके बीच दोनों ओर के लोगों का एक दूसरे में आने-जाने का सिलसिला भी जोरों पर लगा हुआ है। खबरें ये भी आ रही है कि कही गठबंधनों में बातचीत पक्की हो गई है तो कंही बात बन नहीं पा रही है। जैसे ओडिशा में बीजेपी व बीजद में बातचीत बन नहीं पा रही है। वहीं बिहार में चिराग व बीजेपी में बात सुलझाना आसान नहीं है। उधर कांग्रेस ने अपने 39 लोस उम्मीदवार मैदान में उतार दिया है। दरअसल ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल और विपक्षी भाजपा के बीच गठबंधन को लेकर हो रही बातचीत अटक गई है, क्योंकि सीट बंटवारे को लेकर सहमति नहीं बन सकी। दोनों दलों के नेताओं ने यह जानकारी दी।

राज्य में विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ होते हैं। भाजपा के सूत्रों ने दावा किया कि 147 सदस्यीय ओडिशा विधानसभा में बीजद ने 100 से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग की, जो भाजपा को स्वीकार्य नहीं है। निवर्तमान विधानसभा में क्षेत्रीय पार्टी के 114 सदस्य हैं और शुरुआत में उसने भाजपा के साथ बातचीत के दौरान 112 सीट की मांग की थी। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, बीजद लगभग 75 प्रतिशत विधानसभा सीट की मांग कर रही है, जो हमें स्वीकार नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति राज्य में भाजपा की संभावना पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी। दूसरी ओर, भाजपा ने ओडिशा की 21 लोकसभा सीट में से 14 सीट मांगी थीं, जिसे बीजद ने खारिज कर दिया है। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजद ने 12 सीट पर जीत हासिल की थी, जबकि भाजपा ने आठ सीट हासिल की थीं। बीजद नेता ने कहा, अगर हम 10 से कम लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ते हैं, तो यह हमारे लिए नुकसानदेह होगा।

बीजद अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के करीबी सहयोगी वी के पांडियन और प्रणब प्रकाश दास दोपहर दिल्ली से लौट आए। वह बृहस्पतिवार शाम को भाजपा नेतृत्व से बातचीत करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी गए थे पांडियन और दास ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर बीजद मुख्यालय में आयोजित एक समारोह में भाग लिया, लेकिन बृहस्पतिवार रात को दिल्ली में भाजपा के शीर्ष नेताओं के साथ हुई चर्चा पर चुप्पी साधे रहे। भाजपा की ओडिशा इकाई के नेता अपने प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल के नेतृत्व में दिल्ली में रुके हुए हैं और उन्होंने राज्य चुनाव प्रभारी और राज्यसभा सदस्य विजय पाल सिंह तोमर के आवास पर कई केंद्रीय नेताओं के साथ बैठकें कीं। बीजद और भाजपा 1998 से 2009 के बीच लगभग 11 वर्षों तक गठबंधन में रहे और उन्होंने तीन लोकसभा और दो विधानसभा चुनाव एक साथ लड़े। इससे पहले, बीजद और भाजपा के बीच सीट बंटवारे के तहत बीजद ने 84 विधानसभा और 12 लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ा था, वहीं भाजपा ने 63 विधानसभा और नौ लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ा था। दोनों दलों के गठबंधन ने 1998 में 21 में से 17 लोकसभा सीट पर जीत हासिल की थी। वहीं, 1999 के आम चुनाव में गठबंधन को 19 सीट पर जीत मिली थी, जो 2004 के लोकसभा चुनाव में घटकर 18 हो गई थी।

तमिलनाडु में कांग्रेस के साथ कमल हासन की पार्टी

अभिनेता कमल हासन की पार्टी एमएनएम द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल हुई, 2025 के राज्यसभा चुनाव के लिए एक सीट आवंटित की गई। एमएनएम के संस्थापक कमल हासन ने चेन्नई में कहा कि देश की खातिर द्रमुक नीत गठबंधन में शामिल हुए, किसी पद के लिए नहीं। डीएमके के साथ बैठक के बाद पार्टी महासचिव अरुणाचलम ने कहा कि मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम) (लोकसभा चुनाव) नहीं लड़ रही है, पार्टी समर्थन करेगी और प्रचार करेगी। राज्यसभा में एमएनएम के लिए एक सीट (2025 में) है। कमल हासन कहते हैं कि मैं और मेरी पार्टी यह चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। लेकिन हम इस गठबंधन को पूरा सहयोग देंगे। हमने हाथ मिलाया है क्योंकि यह सिर्फ एक पद के लिए नहीं है, यह देश के लिए है।

बसपा के दावे समय आने पर आजमाये जाएंगे

2024 लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने बहुजन समाज पार्टी को अपने साथ लाने की कई को कोशिश की पर हर कोशिश नाकाम रही। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने बार-बार मीडिया के सामने आकर व सोशल मीडिया पर पोस्ट भी किया कि वह अकेले चुनाव लड़ना चाहती हैं और वह किसी के साथ गठबंधन नहीं करेंगी। सूत्रों की माने तो कांग्रेस पार्टी की मुखिया सोनिया गांधी की बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती से अंदर खाने बातचीत जारी है। यह बातचीत आचार संहिता के बाद गठबंधन को एक नया

बल दे सकती है। सूत्र कहते हैं कि कांग्रेस पार्टी की कोशिश है कि वह इंडिया गठबंधन में बहुजन समाज पार्टी को भी साथ लाना चाहती है जिससे इस गठबंधन में बहुजन समाज पार्टी ,सपा और कांग्रेस मिलकर एनडीए को बड़ी चुनौती दे सकती है। सबसे आखिरी में प्रत्याशियों का ऐलान करने वाली भारतीय जनता पार्टी ने इस बार अपनी पहली सूची में 51 प्रत्याशियों की लिस्ट जारी कर दी है तो वहीं लगभग सबसे पहले प्रत्याशियों का ऐलान करने वाली बहुजन समाज पार्टी ने अभी अपने पत्ते तक नहीं खोले हैं . बहुजन समाज पार्टी के सूत्रों का कहना है कि बसपा नेतृत्व ने अपने कोऑर्डिनेटरों से टिकट के लिए और आवेदन न लेने के लिए अब कह दिया है। देश में बने इंडिया गठबंधन में उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी इस वक्त साथ में है जिसमें कांग्रेस पार्टी को समाजवादी पार्टी ने 17 सीटें दी हैं पर पार्टी ने अभी तक एक भी सीट पर प्रत्याशी की घोषणा नहीं की है। वहीं सपा ने तीन अलग-अलग सूचियां में 29 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है पर बाकी बची सीटों पर अभी सपा भी सांसे थामे हुए है, इंडिया गठबंधन के सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस हाई कमान ने फिलहाल यूपी में प्रत्याशियों की घोषणा के लिए इंतजार करने के संकेत दिए हैं, सूत्र इस बात के संकेत दे रहे हैं कि आचार संहिता लागू होने के बाद एक आखिरी कोशिश बसपा को इस गठबंधन में लाने की की जाएगी।

उमर पर भड़की महबूबा मुफ्ती, गुपकार को पहुंचाया नुकसान

जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक दलों के गठबंधन, पीपुल्स अलायंस ऑफ गुपकर डिक्लेरेशन (पीएजीडी) में दरारें उजागर हो गईं हैं। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने नेशनल कॉन्फ्रेंस पर गठबंधन को मजाक में बदलने का आरोप लगाया। यह बयान आगामी लोकसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे की व्यवस्था पर असहमति के बीच आया है। यहां पार्टी कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस का निर्णय निराशाजनक था। उमर (अब्दुल्ला) ने खुद कहा है कि पीडीपी गठबंधन से बाहर है। आप देख सकते हैं कि गठबंधन किसने तोड़ा है। हमने नहीं किया। यह अनोखा गठबंधन था, इसे बिखरते देखना निराशाजनक है। मुफ्ती ने कहा कि उन्होंने पीएजीडी को एक मजाक बनाकर रख दिया है। एनसी ने पहले घोषणा की थी कि पार्टी कश्मीर घाटी में सभी तीन सीटों पर चुनाव लड़ेगी और कांग्रेस से जम्मू क्षेत्र में दो सीटों पर चुनाव लड़ने को कहा था। पार्टी ने यह भी कहा कि लद्दाख सीट पर एनसी और कांग्रेस का सर्वसम्मति वाला उम्मीदवार होगा।

घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुफ्ती ने कहा कि अगर नेशनल कॉन्फ्रेंस ने उनसे सलाह ली होती तो उनकी पार्टी, जो घाटी से एक सीट चाहती थी, वह सीट उनके लिए छोड़ देती। मैं निराश हूं क्योंकि फारूक अब्दुल्ला हमारे साथ हर छोटे मुद्दे पर चर्चा करते थे। आज उन्होंने इतना बड़ा फैसला लेते हुए कहा कि पीडीपी गठबंधन में कहीं नहीं है। अगर फारूक अब्दुल्ला ने हमें सीटें छोड़ने के लिए कहा होता, तो एकता के लिए हम सीटों का त्याग कर सकते थे।

अखिलेश पर गरम व माया पर नरम चंद्रशेखर आजाद

आजाद समाज पार्टी के मुखिया चंद्रशेखर आजाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर भड़ास निकालते दिखे थे, तो अब उन्होंने बसपा सुप्रीमो मायावती को लेकर ऐसा बयान दिया है, जिससे हलचल तेज हो गई है। चंद्रशेखर आज़ाद ने कहा, विपक्षी दलों के गठबंधन को लेकर कहा कि मैंने पहले ही कहा था कि अगर हम साथ नहीं रहे तो इसका परिणाम यूपी की जनता को भुगतना पड़ा, बीजेपी की तैयारी मजबूत होगी, इसलिए हमने पहले से ही अपनी तैयारी शुरू कर दी थी, लेकिन, गठबंधन में कुछ भी फाइनल नहीं हो पाया है। आजाद ने कहा कि अगर बीजेपी फिर से सत्ता में आई तो दलितों, गरीबों और अल्पसंख्यकों को नुकसान होगा। इसलिए हम अपने बलबूते पर तैयारी कर रहे हैं. पिछले डेढ़ साल से हमारी पार्टी वहाँ तैयारी कर रही है। हमारे साथ दलित, किसान और मुस्लिम समाज के लोग भी साथ हैं और अगर गठबंधन के साथियों ने ये ठान लिया है कि मुझे रोकना है तो आगे जनता तय करेगी। बसपा सुप्रीमो मायावती को लेकर चंद्रशेखर ने कहा कि, उनका (मायावती) सहयोग मुझे हमेशा मिलता रहा है, इस बार भी जरूर मिलेगा। हम सभी सीटों

पर नहीं लड़ रहे हैं, हमने अपने आंदोलन को आवाज बनाने के लिए नगीना को चुना है, पिछले दरवाजे से उनका (मायावती) आशीर्वाद भी साथ है, वो भी समझती हैं कि अब इस आंदोलन को ऐसे व्यक्ति की जरुरत है जो निडर होकर जनता की आवाज को उठाए। चंद्रशेखर आजाद ने आकाश आनंद को मिली सुरक्षा को लेकर भी कहा कि उनकी सुरक्षा होनी चाहिए। वो फ़ील्ड में जाएंगे तो उन्हें कोई नुकसान भी हो सकता है वो जैसा संघर्ष करेंगे वैसा ही समाज साथ देगा. उन्होंने दावा किया कि हम कांशीराम के असली वारिस हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

हर आलोचना अपराध नहीं सबको विरोध का अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने आज असहमति के अधिकार को बरकरार रखते हुए कहा कि हर आलोचना अपराध नहीं है और अगर ऐसा सोचा गया तो लोकतंत्र बच नहीं पाएगा। पुलिस को संविधान द्वारा दी गई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बारे में संवेदनशील होना चाहिए, अदालत ने उस व्यक्ति के खिलाफ मामला खारिज कर दिया, जिसने अनुच्छेद 370 को खत्म करने पर प्रतिकूल टिप्पणी की थी, जिसने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा दिया था।

किसी बात से असहमति होने पर उसकी आलोचना करना किसी व्यक्ति का अधिकार है। यह टिप्पणी अदालत ने एक फैसले में दी है। अदालत ने कहा कि भारत का संविधान, अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत, भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है। उक्त गारंटी के तहत, प्रत्येक नागरिक को अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की कार्रवाई की आलोचना करने का अधिकार है या, उस मामले के लिए, राज्य के हर फैसले पर। सुप्रीम कोर्ट ने आज असहमति के अधिकार को बरकरार रखते हुए कहा कि हर आलोचना अपराध नहीं है और अगर ऐसा सोचा गया तो लोकतंत्र बच नहीं पाएगा। पुलिस को संविधान द्वारा दी गई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बारे में संवेदनशील होना चाहिए, अदालत ने उस व्यक्ति के खिलाफ मामला खारिज कर दिया, जिसने अनुच्छेद 370 को खत्म करने पर प्रतिकूल टिप्पणी की थी, जिसने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा दिया था। अदालत ने लोगों को यह कहने का अधिकार है कि वह राज्य के किसी भी फैसले से नाखुश हैं।

अब समय आ गया है कि हमारी पुलिस मशीनरी को संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) द्वारा प्रदत्त भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अवधारणा और उन पर उचित संयम की सीमाओं के बारे में शिक्षित किया जाए। जस्टिस अभय एस ओका और उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि उन्हें इसमें निहित लोकतांत्रिक मूल्यों के बारे में संवेदनशील बनाया जाना चाहिए। महाराष्ट्र के कोल्हापुर कॉलेज में कार्यरत कश्मीरी प्रोफेसर जावेद अहमद हजाम के खिलाफ एक व्हाट्सएप स्टेटस के लिए आपराधिक मामला दर्ज किया गया था, जिसमें 5 अगस्त को जम्मू और कश्मीर के लिए काला दिन कहा गया था और 14 अगस्त को पाकिस्तान का स्वतंत्रता दिवस मनाया गया था। अदालत ने आदेश दिया कि मामला उसके खिलाफ कार्रवाई खत्म की जाए। अदालत ने कहा कि 5 अगस्त को काला दिन कहना विरोध और दर्द की अभिव्यक्ति है। न्यायाधीशों ने कहा कि पाकिस्तान के लोगों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देना एक सद्भावना संकेत है और इसे विभिन्न धार्मिक समूहों के बीच दुश्मनी, शत्रुता, घृणा या दुर्भावना की भावना पैदा करने वाला नहीं कहा जा सकता है। कोर्ट का आदेश एक उम्दा फैसला है। साथ ही यह सत्ता में बैठे लोगों को भी आइना दिखाता है कि जो विपक्ष या आलोचना करने वालों को नफरत की नजर से देखते है। इस फैसले के बाद सियासत से जुड़े लोगों को भी अपना मन बड़ा करना होगा और अपनी तारीफ के साथ-साथ आलोचनाओं को सुनने की मंशा मजबूत करन होगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मंगल के संकेतों में जीवन के सुराग

मुकुल व्यास

पृथ्वीवासियों को नासा के पर्सिवियरेंस रोवर द्वारा मंगल पर एकत्र किए गए नमूनों का इंतजार है क्योंकि इनमें लाल ग्रह पर प्राचीन जीवन के प्रमाण हो सकते हैं। नासा के रोवर ने पाया है कि मंगल ग्रह का जेजेरो क्रेटर किसी समय पानी से भरा हुआ था। इससे यह उम्मीद जगी है कि रोवर ने लाल ग्रह पर जीवाश्म जीवन का सबूत एकत्र कर लिया होगा। यह रोवर पहली बार फरवरी, 2021 में इंज्यूनिटी हेलीकॉप्टर के साथ क्रेटर पर उतरा था। रोवर ने जमीन में प्रविष्ट करने वाले रडार का उपयोग करके यह खोज की है। उसने एक झील से संबंधित तलछट की परतों का खुलासा किया है। यह झील बाद में एक विशाल डेल्टा में तब्दील होकर सूख गई। जब क्रेटर से एकत्र किए गए भूवैज्ञानिक नमूने पृथ्वी पर लौट आएंगे, तब शोधकर्ताओं को इस बात का सबूत मिल सकता है कि लाल ग्रह पर कभी प्राचीन जीवन पनपा था।

पर्सिवियरेंस रोवर, पुरानी क्यूरियोसिटी रोवर के साथ, 48 किलोमीटर चौड़े जेजेरो क्रेटर को पार करके मंगल ग्रह की सतह पर प्राचीन जीवन के संकेतों की खोज कर रहा है और पृथ्वी पर वापसी के लिए चट्टान के दर्जनों नमूने एकत्र कर रहा है। तीन वर्षों तक रोवर के साथ इंज्यूनिटी हेलीकॉप्टर भी था जिसने 18 जनवरी को मंगल ग्रह की सतह पर अपनी 72वीं और अंतिम उड़ान भरी। कार के आकार की पर्सिवियरेंस रोवर सात वैज्ञानिक उपकरणों से लैस है, जिनमें से एक मंगल ग्रह की सतह के नीचे प्रयोग के लिए रडार इमेजर (रिमफैक्स) है। अपनी यात्रा के दौरान रोवर ने हर 10 सेंटीमीटर जमीन में रडार के जरिये मंगल के क्रेटर की सतह के नीचे लगभग 20 मीटर की गहराई से प्रतिबिंबित तरंगों का एक नक्शा बनाया। अब इस रडार मानचित्र ने तलछट के अस्तित्व का खुलासा किया है। पिछले अध्ययनों में तलछट के बारे में संदेह उत्पन्न हुआ था लेकिन पहले कभी इसकी पुष्टि नहीं हुई थी। इस अध्ययन के प्रमुख लेखक डेविड पेज ने कहा कि चट्टान के रिकॉर्ड में हम जो बदलाव देखते हैं, वे मंगल ग्रह के वातावरण में बड़े पैमाने पर हुए परिवर्तनों से प्रेरित हैं।

अच्छी बात यह है कि हम इतने छोटे भौगोलिक क्षेत्र में परिवर्तन के इतने सारे सबूत देख सकते हैं, जो हमें अपने निष्कर्षों को पूरे क्रेटर के पैमाने तक विस्तारित करने की अनुमति देते

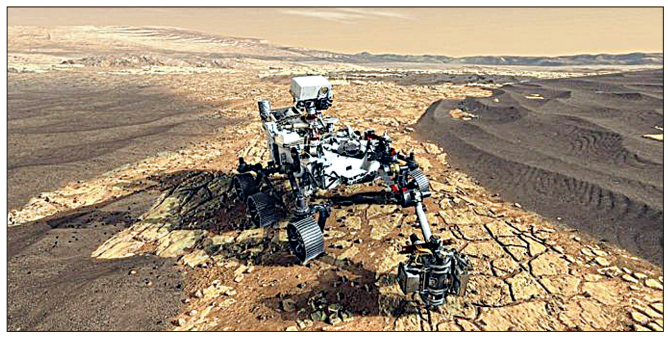

हैं। चूंकि पृथ्वी पर जीवन पानी पर अत्यधिक निर्भर है। मंगल ग्रह पर पानी का सबूत इस बात का एक महत्वपूर्ण सुराग हो सकता है कि ग्रह पर कभी जीवन था या आज भी वहां जीवन हो सकता है। लेकिन हमारे दुर्गम पड़ोसी ग्रह पर जीवन के सबूत जुटाना अभी तक बहुत कठिन साबित हुआ है। पर्सिवियरेंस द्वारा एकत्र कीमती सामान को पृथ्वी पर वापस लाने के लिए पर्सिवियरेंस रोवर यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के सैंपल रिट्रीवल लैंडर के आगमन का इंतजार करेगी। इस अंतरिक्ष यान को एक छोटे रॉकेट के साथ पैक किया गया है। रोवर रॉकेट को पृथ्वी की ओर वापस दागे जाने से पहले इसमें चट्टान और मिट्टी के नमूनों को लोड करेगा। अंतरिक्ष में लांच किए जाने के बाद नमूने वाले रॉकेट को पृथ्वी पर वापसी की उड़ान के लिए ईएसए के अर्थ-रिटर्न ऑर्बिटर (ईआरओ) द्वारा एकत्र किया जाएगा। नासा ने शुरू में ईआरओ को 2026 में लांच करने की योजना बनाई थी, लेकिन बाद में इस तारीख को 2028 तक खिसका दिया गया, जिसका अर्थ है कि ये नमूने जल्द से जल्द 2033 तक पृथ्वी पर वापस आ पाएंगे। इस बीच, मंगल ग्रह की भूमध्य रेखा पर मेडुसी फॉसी फॉर्मेशन क्षेत्र के एक नए रडार सर्वेक्षण से पता चला है कि वहां जमीन में दबी हुई जल-बर्फ की विशाल परतें मौजूद हैं जो कई किलोमीटर मोटी हैं। यह मंगल ग्रह के मध्य भाग के आसपास अब तक पाया गया सबसे अधिक पानी है। इससे जाहिर है कि लाल ग्रह पानी से उतना वंचित नहीं है जितना हमने सोचा था। वैज्ञानिकों का कहना है कि वहां उतना ही पानी दबा हुआ है, जितना पृथ्वी के लाल सागर में पाया जा सकता है। यदि इसे सतह पर लाकर पिघलाया जाए, तो यह मंगल को 1.5 से 2.7 मीटर गहरे उथले महासागर में ढक देगा। बर्फ के दबे हुए भंडार के संकेत पहली बार 2007 में 2.5 किलोमीटर की गहराई तक पाए गए थे, लेकिन तब वैज्ञानिकों को यह नहीं पता था कि ये भंडार किस चीज के हैं।

नया डेटा मिलने और उस डेटा का विश्लेषण करने के लिए नए उपकरण उपलब्ध होने के बाद इन भंडारों की असलियत का पता चला। स्मिथसोनियन इंस्टिट्यूशन के भूविज्ञानी थॉमस वॉटर्स ने बताया कि हमने मार्स एक्सप्रेस के मार्सिस रडार से नए डेटा का उपयोग करके मेडुसी फॉसी फॉर्मेशन का फिर से सर्वेक्षण किया है। हमने पाया कि बर्फ के भंडार की मोटाई 3.7 किलोमीटर तक है जो हमारे पिछले अनुमान से अधिक है।

चीन समर्थक दलों के प्रभुत्व से भारतीय हितों पर असर नेपाल में नया सत्ता गठबंधन

केएस तोमर

नयी गठबंधन सरकार के गठन के बाद नेपाल का भारत के प्रभाव से खिसकने का खतरा है, जिसमें कम्युनिस्टों का वर्चस्व है जो वैचारिक रूप से ड्रैगन के प्रति प्रतिबद्ध हैं। हिमालयी देश में राजनीतिक घटनाओं का अप्रत्याशित मोड़ और अस्थिर स्थिति को अपने पक्ष में करने में 'प्रचंड' की महारत, एक बड़ी आत्म-केंद्रित उपलब्धि हो सकती है। लेकिन इसे भारत से संबंधों के लिए एक प्रतिकूल पूर्वाभास के रूप में देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि नई सरकार मुख्य रूप से चीन समर्थक गुटों का संयोजन है, जिसमें प्रचंड के नेतृत्व वाले सीपीएन (माओवादी केंद्र) और पूर्व प्रधानमंत्री केपीएस ओली के नेतृत्व वाली सीपीएन-यूएमएल व नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी) शामिल हैं। यह सच्चाई है कि ओली नई सरकार पर हावी रहेंगे क्योंकि उनके पास प्रचंड के सिर्फ 32 सांसदों के मुकाबले 77 सांसद हैं। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (21) और जनता समाजवादी (12) सहित अन्य दो साझेदार सत्ता साझा करेंगे।

गठबंधन सहयोगियों की कुल ताकत 142 है, जबकि सदन में साधारण बहुमत का आंकड़ा हासिल करने के लिए 138 सांसदों की आवश्यकता है। इससे पहले नेपाली कांग्रेस प्रचंड की गठबंधन सहयोगी थी, लेकिन दोनों में जटिल मुद्दों पर मतभेद हो गया। पिछले शासन में भारत समर्थक पार्टी, नेपाली कांग्रेस का वर्चस्व था, लेकिन राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि नये गठबंधन से परिदृश्य में बड़ा बदलाव आएगा। इसलिए भारत को नेपाल के साथ सामान्य संबंध बनाने के लिए अपनी विदेश नीति की प्राथमिकताओं पर फिर से काम करने की जरूरत है। दूसरा, भारत को नयी सत्ता के भविष्य के रुख के बारे में सावधान रहना होगा। पिछले साल प्रचंड की नई दिल्ली यात्रा के दौरान कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए थे। उससे कई वर्षों के गतिरोध के बाद त्रिपक्षीय बिजली समझौता एक वास्तविकता बन गया है, जो 10 वर्षों के लिए नेपाल से भारत में 10,000 मेगावाट बिजली का आयात सुनिश्चित करेगा, जिससे हजारों करोड़ का राजस्व सुनिश्चित होगा और बाद में उपभोक्ताओं के लिए अतिरिक्त बिजली उपलब्ध होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि नया कम्युनिस्ट शासन सत्ता समझौते को खत्म करने का आत्मघाती कदम उठा सकता है। ऐसा करना दोनों देशों के हित में नहीं है।

भारत ने 15 जून, 2022 को अग्निपथ योजना शुरू की थी, जिसे नेपाल तक भी लागू किया गया था। लेकिन कुछ आपत्तियों के कारण हिमालयी राष्ट्र में यह अभी भी अधर में है। वहां के युवा अग्निवीर के रूप में भारतीय सेना में शामिल होने के इच्छुक हो सकते हैं लेकिन पिछली दो सरकारों ने अपने पैर पीछे खींच लिए थे और आने वाली तीसरी सरकार अलग नहीं हो सकती है। काठमांडू में कुछ सेवानिवृत्त जनरलों ने योजना का विरोध किया था। ओली की पार्टी रुकावट पैदा कर सकती है और उसका रुख चीन की ओर हो सकता है जो भारत को अस्वीकार्य हो सकता है।

नये शासन में केपीएस ओली को नेपाल को चीन की ओर धकेलने का एक और मौका मिलेगा। ओली गुट का प्रभुत्व भारत के लिए समस्याग्रस्त साबित हो सकता है बता दें कि पूर्व प्रधानमंत्री ने नेपाल-भारत संबंधों को सबसे निचले स्तर पर ला दिया था जब एक मानचित्र को फिर से तैयार किया गया था जिसमें लिपुलेख जैसे भारतीय क्षेत्रों को अपने क्षेत्रों के रूप में दिखाया गया था। हालांकि इसे भारत ने सिरे से खारिज कर दिया। ओली ने 8 मई, 2020 को भारत द्वारा उत्तराखंड में धारचूला के साथ लिपुलेख दर्रे को जोड़ने वाली रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सड़क खोलने पर भी आपत्ति जताई थी। विशेषज्ञों ने भारत और नेपाल के बीच सदियों पुराने संबंधों को अस्थिर करने के लिए ओली की कार्रवाइयों के लिए चीनी रणनीति को जिम्मेदार ठहराया था जो फिर से काम करेगी। नेपाल ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के केंद्रशासित प्रदेशों को दर्शाने वाला संशोधित राजनीतिक मानचित्र लाने की भारत की कार्रवाई का भी विरोध किया था। भारत की सुरक्षा से जुड़े इस मुद्दे के तूल पकड़ने का पूरा खतरा है, इसलिए नई व्यवस्था में हमें अधिक सतर्क रहना होगा। एक और गंभीर मुद्दा बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के कार्यान्वयन के बारे में चीन की महत्वाकांक्षी योजना से संबंधित है।

भारत-नेपाल की खुली सीमा के कारण इस योजना को लेकर कोई भी प्रगति सुरक्षा जोखिम होगी। चीन ने नेपाल में 1.34 बिलियन अमेरिकी डालर से अधिक का निवेश किया है और हमेशा नेपाल को शामिल करने का दबाव बनाया है। पर्यवेक्षकों का मानना है कि नागरिकता विधेयक की मंजूरी को पिछली प्रचंड-देउबा सरकार द्वारा भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ निकटता प्रदर्शित करने के प्रयास के रूप में देखा गया था जिससे चीन नाराज हो गया था। दूसरा, प्रचंड ने 2022 में अपनी पहली यात्रा के लिए चीन के बजाय भारत को चुना, जिससे अच्छा संकेत गया और यह फलदायी साबित हुआ। यह सात समझौतों पर हस्ताक्षर से स्पष्ट था। प्रचंड ने सीमा विवाद जैसे जटिल मुद्दे को छूने से परहेज किया था। लेकिन बदले हुए परिदृश्य में दोनों शीर्ष नेताओं के तौर पर चीन को तरजीह दी जा सकती है। प्रचंड और ओली कट्टर कम्युनिस्ट हैं जो बीजिंग में अपने भाइयों से निपटने में अधिक सहज महसूस करेंगे। नेपाल, मालदीव और पाकिस्तान को दूर करने की चीन की कोशिश से भारत को सजग होना चाहिए, जिसे क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए विदेश नीति पर फिर से काम करने की जरूरत है।

काले अंजीर

डाइजेशन को बेहतर बनाना हो या इम्युनिटी को दुरुस्त करना हो, काले अंजीर खाने से सेहत को कई फायदे मिलते हैं। महिलाओं में पीरियड्स से जुड़ी तकलीफे दूर करने में भी ये काफी असरदार होते हैं। अगर आप रोजाना इनका सेवन करते हैं, तो शुगर लेवल को भी कंट्रोल कर सकते हैं। सुखा अंजीर एक खास तरह का ड्राई फ्रूट्स है, जिसमें पोटेशियम कैल्शियम मिनरल और ढेर सारे विटामिन के अलावा फाइबर भी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। अंजीर एक लो कैलोरी फूड है जो वजन कम करने में मददगार है। जिन्हें हमेशा कब्ज की शिकायत रहती है और पेट ठीक से साफ नहीं होता है उन्हें नाश्ते में अंजीर का सेवन जरूर करना चाहिए, क्योंकि यह गंदगी को साफ करता है। अंजीर में कैल्शियम प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो हड्डियों और दातों के लिए बहुत ही ज्यादा फायदेमंद है।

काली उड़द की दाल

दाल का सेवन तो आप करते ही होंगे, लेकिन क्या आप जानते हैं कि काली उड़द की दाल सेहत को कितने फायदे पहुंचाती है? ये आयरन, फाइबर और फोलेट जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होती है। इसके साथ ही, इसमें हरी और पीली दाल की तुलना में प्रोटीन भी काफी होता है। काली उड़द दाल कार्बोहाइड्रेट से भरपूर, यह ऊर्जा के एक स्थिर स्रोत के रूप में कार्य करता है, जो आपको पूरे दिन सक्रिय रखता है। काली उड़द दाल आपके हृदय संबंधी स्वास्थ्य में योगदान कर सकती है। इसमें पोटेशियम होता है, जो रक्तचाप के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। काली उड़द दाल फाइबर सामग्री कोलेस्ट्रॉल के स्तर को प्रबंधित करने में सहायता करती है, जिससे हृदय रोगों का खतरा कम होता है। काली उड़द दाल एनीमिया को रोकने और स्वस्थ रक्त परिसंचरण को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

सेहत के लिए फायदेमंद हैं ये काले फूड्स

हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने की बात हो या फिर दिल की बीमारियों से बचना हो सिर्फ रंग बिरंगे फल और सब्जियां ही नहीं बल्कि काले दिखने वाले कुछ फूड्स भी इसमें आपके लिए काफी मददगार साबित हो सकते हैं। अक्सर लोग इनके फायदों से अनजान रहते हैं। रंग-बिरंगे फल और सब्जियां खाने की सलाह आपने कई बार सुनी-पढ़ी होगी, लेकिन काले दिखने वाले कुछ फूड्स आपकी सेहत के लिए कितने लाजवाब हो सकते हैं। जी हां, जैसे हर चमकती चीज सोना नहीं होती, ठीक वैसे ही हर काली चीज बुरी या खराब नहीं होती है।

ब्लैक राइस

व्हाइट या ब्राउन राइस तो आप अक्सर खाते होंगे, लेकिन क्या कभी आपने काले चावल यानी ब्लैक राइस को सेवन किया है? बता दें कि इससे डायबिटीज और लिवर से जुड़ी दिक्कतों को दूर करने में मदद मिलती है। इन्हें खाने से आपका डाइजेशन इम्प्रूव होता है और आंखों की रोशनी बढ़ाने में भी ये काफी फायदेमंद होते हैं। ब्लैक राइस कैंसर जैसी घातक बीमारी से बचाव में कुछ हद तक मददगार साबित हो सकता है। दरअसल, इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण फ्री रेडिकल के प्रभाव को कम करने और शरीर को ऑक्सीडेटिव क्षति से बचाव कर कैंसर के जोखिम को कम करने में सहायक हो सकता है। काले चावल का सेवन सूजन की समस्या के लिए भी उपयोगी हो सकता है। काले चावल का सेवन हृदय को स्वस्थ रखने के लिए भी किया जा सकता है। यह धमनियों में प्लाक को जमने से रोक सकता है। यह लिवर के लिए भी उपयोगी हो सकता है। डाइट में काले चावल को शामिल करने से फैटी लिवर की समस्या का जोखिम कम हो सकता है।

काले चने

छोले या राजमा का सेवन कई घरों में शौक से किया जाता है, लेकिन अक्सर लोग काले चने खाने की ओर इतना ध्यान नहीं देते। बता दें, ये फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स से रिच होते हैं, ऐसे में आपके पाचन को दुरुस्त तो करते ही हैं, साथ ही आपक त्वचा को भी ग्लोइंग बनाते हैं। काले चने खाने के फायदे में पाचन स्वास्थ्य को बनाए रखना भी शामिल है। चने में फाइबर मौजूद होता है, जो पाचन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने का काम कर सकता है। वजन घटाने के मामले में भी काले चने खाने के फायदे सहायक हो सकते हैं। यह कैंसर जैसे गंभीर रोग से बचाव करने में भी काफी उपयोगी है। इसके लिए काले चने में मौजूद बायोकनिन-ए, लायकोपिन, सैपोनिंस और ब्यूटीरेट जैसे तत्व अहम माने जाते हैं। काला चना आयरन का अच्छा स्रोत माना जाता है। ऐसे में आयरन की कमी को पूरा कर काला चना एनीमिया की समस्या में कुछ हद तक राहत पहुंचाने का काम कर सकता है। कला चना महिलाओं में हार्मोन असुंतलन को ठीक करके मोनोपोज के लक्षणों में आराम दिलाने में मदद कर सकता है। ऐसे में महिलाओं में हारमोन की स्थिति को ठीक करने के लिए भी काले चने को उपयोगी माना जा सकता है। त्वचा के स्वास्थ्य के लिए भी काले चने काफी उपयोगी साबित हो सकते हैं। काले चने के आटे से तैयार उबटन त्वचा को साफ करने में मदद कर सकता है।

हंसना मना है

पति मरते वक्त बीवी से: अलमारी से तेरा गोल्ड सेट मैंने ही चोरी किया था! बीवी रोते हुए: कोई बात नहीं जी, पति: तेरे भाई ने तुझे 1 लाख अमानत दी थी, वो भी मैने गायब की! बीवी: मैने आपको माफ किया! पति: तेरी कमेटी के पैसे भी मैने ही चोरी किये थे! बीवी: कोई बात नहीं जी, आपको जहर भी मैंने ही दिया है।

टीचर: बस के ड्राइवर और कंडक्टर में क्या फर्क है? स्टुडेंट: कंडक्टर सोया तो किसिका टिकट नही कटेगा, ड्राइवर सोया तो सबका टिकट कट जायेगा।

लड़का: डिअर मेरी आंखों में देखो, तुम्हे क्या दिख रहा है? मुझे जल्दी से बताओ!' लड़की: 'सच्चा प्यार' लड़का: ओए सच्चे प्यार की बच्ची कचरा गया है जल्दी फूंक मार।

आज फिर एक सरदार ने कमाल कर दिया, एक सरदार बैंक में आकर सो गया, जानते हो क्यों? बैंक के बोर्ड पे लिखा था, सोने पे लोन मिलेगा।

आपने कभी सोचा है की पति और चाय की पत्ती में क्या समानता है? दोनों के नसीब में जलना और उबालना लिखा है और वो भी औरतों के हाथ से।

कहानी — दो सांप

एक नगर में देवशक्ति नामक राजा रहा करता था। उसके पुत्र के पेट में एक सांप ने अपना डेरा जमा लिया था। जिससे राजकुमार कमजोर होता जा रहा था। राजा ने कई प्रसिद्ध वैद से उसका उपचार कराया, लेकिन कोई सुधार नजर नहीं आ रहा था। एक दिन राजकुमार अपने राज्य से दूर दूसरे राज्य में चला गया और मंदिर में भिखारी की तरह रहने लगा। उस राज्य में बलि नामक राजा राज करता था। उसकी दो जवान बेटियां थीं। दोनों रोज सुबह अपने पिता का आशीर्वाद लेने जाती थीं। एक बेटी ने राजा को प्रणाम करते हुए कहा महाराज की जय हो, आपकी कृपा से ही संसार में सब सुखी हैं। वहीं दूसरी बेटी ने कहा महाराजा, ईश्वर आपको आपके कर्मों का फल दे। यह सुनकर राजा क्रोधित हो जाता है और आदेश देता है इस लड़की की शादी किसी गरीब लड़के के साथ कर दो, ताकि ये अपने कर्मों का फल स्वयं चख ले। राजा के आदेश के चलते मंत्री मंदिर के पास बैठे भिखारी से उसकी शादी कर देते हैं। वह भिखारी वही राजकुमार था, राजकुमारी उसे ही अपना पति मानकर सेवा करने लगती है। कुछ दिन बाद दोनों मंदिर छोड़कर दूसरे देश की यात्रा पर निकल जाते हैं, क्योंकि दोनों मंदिर में रहना सही नहीं समझते। सफर के दौरान रास्ते में राजकुमार थक जाता है और एक पेड़ के नीचे विश्राम करने लगता है। राजकुमारी पास के गांव से भोजन लाने के लिए चली जाती है। जब वह वापस आती है, तो सोए हुए पति के मुंह से एक सांप को निकलते देखती है। साथ ही पास के एक बिल से भी सांप निकलता है। दोनों सांप बात करने लगते हैं, जिसे छिपकर राजकुमारी सुन लेती है। एक सांप कहता है तुम इस राजकुमार के पेट में रहकर इसे तकलीफ क्यों दे रहे हो। साथ ही तुम खुद के जीवन को भी खतरे में डाल रहे हो। अगर किसी ने राजकुमार को जीरा और सरसों का सूप पिला दिया, तो तुम्हारी मृत्यु हो जाएगी। फिर राजकुमार के मुंह से निकला सांप कहता है तुम इस बिल में रखे सोने के घड़ों की रक्षा क्यों करते हैं, जो तुम्हारे किसी काम के नहीं हैं। अगर किसी को इन घड़ों के बारे में पता चल गया, तो वो बिल में गर्म पानी या गर्म तेल डालकर तुम्हारी जान ले लेगा। थोड़ी देर बाद दोनों सांप अपनी-अपनी जगह वापस चले जाते हैं, इस तरह राजकुमारी पहले राजकुमार को जीरा और सरसों का सूप पिला देती है। इसके कुछ समय बाद राजकुमार ठीक होने लगा। फिर बिल में गर्म पानी और तेल डाल देती है, जिससे दूसरे सांप की भी मृत्यु हो जाती है। इसके बाद बिल में रखे सोने से भरे घड़े को बाहर निकालकर दोनों अपने शहर लौट जाते हैं। राजा देवशक्ति अपने बेटे और उसकी पत्नी का धूमधाम से स्वागत करता है।

7 अंतर खोजें

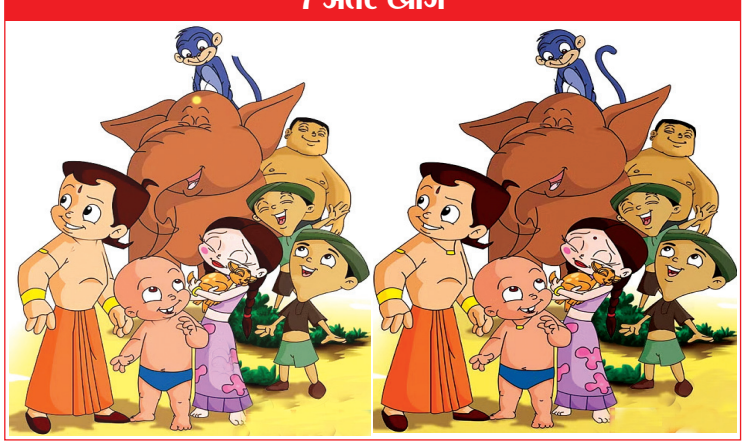

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

वृषभ — शत्रु सक्रिय रहेंगे। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

मिथुन — अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बढ़ सकती है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। तनाव रहेगा।

कर्क — धनहानि संभव है, सावधानी रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से बचें।

सिंह — कष्ट, तनाव व चिंता का वातावरण बन सकता है। शत्रु पस्त होंगे। धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

कन्या — पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी साधु-संत का आशीवार्द मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे।

तुला — पुराना रोग उभर सकता है। दूर से दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। किसी व्यक्ति के व्यवहार से अप्रसन्नता रहेगी। अपेक्षित कार्य विलंब से होंगे।

वृश्चिक — कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

धनु — जल्दबाजी न करें। कोई समस्या खड़ी हो सकती है। शरीर शिथिल हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। भूमि व भवन की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी।

मकर — यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा।

कुम्भ — जल्दबाजी से चोट लग सकती है। दूर से शोक समाचार मिल सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है।

मीन — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेचैनी रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा।

शैतान की दहशत से कांपा बाक्स ऑफिस | फिल्म ने पहले दिन किया बंपर कलेक्शन

अजय देवगन और आर माधवन की सुपरनैचुरल हॉरर फिल्म 'शैतान' 8 मार्च यानी महाशिवरात्रि के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। ऑडियंस से मूवी को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। क्रिटिक्स ने भी फिल्म की जमकर तारीफ की है। अजय देवगन की 'शैतान' ने रिलीज होते ही देशभर में बॉक्स ऑफिस पर कब्जा कर लिया है और पहले दिन बंपर ओपनिंग की है। चलिए आपको बताते हैं कि फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर कितने करोड़ का बिजनेस किया है।

अजय देवगन की हॉरर फिल्म 'शैतान' को देखकर ऑडियंस के रोंगेट खड़े हो गए हैं। इसमें आर माधवन की खलनायकी लोगों को बहुत पसंद आ रही है। एडवांस बुकिंग में ही 'शैतान' के धड़ल्ले से 1 लाख 76 हजार से ज्यादा टिकटों की बिक्री हो गई थी। इस तरह फिल्म ने रिलीज से पहले ही 4.14 करोड़ रुपये का बिजनेस कर लिया था। अब इस मूवी के पहले दिन की कमाई के आंकड़े सामने आ गए हैं। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, अजय देवगन और आर माधवन की

फिल्म 'शैतान' ने पहले दिन भारत में बॉक्स ऑफिस पर 14.50 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है। हालांकि, ये अभी अर्ली स्टीमेट है और ऑफिशियल डेटा आने के बाद इसमें थोड़ा बहुत बदलाव हो सकता है। ट्रेड पंडितों का मानना है कि वीकेंड पर 'शैतान' के कलेक्शन में जबरदस्त इजाफा देखने को मिल सकता है। उम्मीद है कि साल 2024 में 'शैतान' अजय देवगन की पहली फिल्म होगी, जो बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकस्टर का खिताब अपने नाम कर सकती है। 'शैतान' साल 2024 में रिलीज हुई अजय देवगन की पहली फिल्म है। यह गुजराती फिल्म 'वश' का हिंदी रीमेक है, जिसका निर्देशन विकास बहल ने किया है। इसमें ज्योतिका और जानकी बोड़ीवाला की एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही है। अजय देवगन अपनी अदाकारी के लिए मशहूर हैं ही वहीं, खलनायक बनकर आर माधवन छा गए हैं। उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस से फैंस का चौंका दिया है। आर माधवन की एक्टिंग के सामने अजय देवगन भी फीके पड़ गए हैं।

बॉलीवुड | मसाला

भूमि ने 'भक्षक' की सफलता मीडिया को दी

भूमि पेडनेकर को अपनी बीते महीने ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म भक्षक के लिए भर-भरकर तारीफें मिलीं। इस फिल्म में अभिनेत्री ने एक पत्रकार की भूमिका अदा की, जो बालिका गृह में बच्चियों के साथ हो रहे शोषण के खिलाफ आवाज उठाती है। दर्शकों ने भी फिल्म को सराहा और क्रिटिक्स से भी इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। अब इस बारे में भूमि पेडनेकर ने अपनी बात रखी है।

भूमि पेडनेकर ने अपनी इस फिल्म की सफलता मीडिया बिरादरी को समर्पित की है। अभिनेत्री ने मीडिया को ऐसा गुमनाम नायक कहा, जो सच्चाई को सामने लाने के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर देते हैं। भूमि ने कहा, मैं मीडिया और सभी पत्रकारों के प्रति बेहद आभारी हूं, जिन्होंने भक्षक को इतना प्यार दिया। यह अब एक ग्लोबल

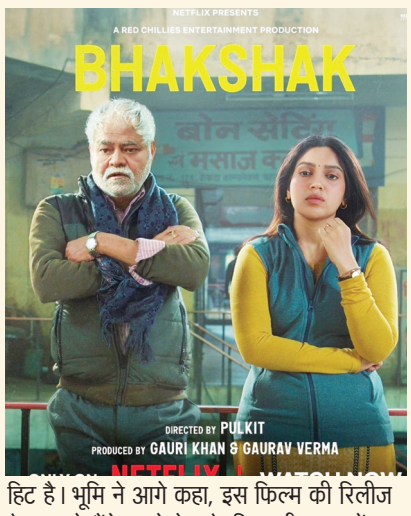

हिट है। भूमि ने आगे कहा, इस फिल्म की रिलीज के बाद से मैंने अपने देश के जिस भी राज्य में यात्रा की है और जब भी वहां मीडिया से रूबरू हुई हूं, तो मुझे यही बताया गया है कि मैंने कितनी लगन से अपना किरदार अदा किया है। अभिनेत्री ने आगे कहा, उन्होंने मुझे बताया है कि वे भक्षक को देखकर कितना गर्व महसूस करते हैं, क्योंकि एक जर्नलिस्ट सच्चाई सामने लाने के लिए धारा के विपरीत तैरने को तैयार रहता है। मीडिया हमारे लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। पत्रकार हैं प्रकृति की शक्ति हैं, जो अन्याय के खिलाफ खड़े हैं और हमेशा बेहतर समाज के लिए प्रयासरत हैं। भूमि ने कहा कि यह फिल्म उनकी तरफ से देशभर के उन गुमनाम नायकों को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने सच्चाई को सामने लाने के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर दिया।

इस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है फिल्म

भूमि ने कहा, फिल्म भक्षक देशभर में रहने वाले गुमनाम नायकों को मेरी श्रद्धांजलि है, जिन्होंने सच्चाई को सामने लाने के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर दिया। मीडिया में रहना आसान नहीं है। उनके जीवन के लिए खतरा रहता है। सोशल मीडिया पर भी उन पर हमले होते हैं। उन्हें बुली किया जाता है। लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि मीडिया दोषियों को सजा दिलाने से पीछे नहीं हटता। उनकी इच्छाशक्ति मुझे प्रभावित करती है। भूमि की ये फिल्म नेटफिलक्स पर उपलब्ध है।

बॉलीवुड | मन की बात

युवाओं में एंजाइटी के लिए इंटरनेट है जिम्मेदार : जया

जया बच्चन अपने बयानों के चलते हमेशा लाइमलाइट का हिस्सा बनी रहती हैं। जया बच्चन शानदार एक्टिंग के साथ-साथ अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। जया बच्चन किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मौजूद नहीं हैं। लेकिन आए दिन इंटरनेट पर उनसे जुड़ी खबरें छपती रहती हैं। इन दिनों जया बच्चन अपनी नातिन नव्या नंदा नवेली के शो को लेकर काफी लाइमलाइट में हैं। नव्या के शो पर जया और श्वेता यंग जनरेशन और पुरानी जनरेशन के बीच के बदलावों पर बात करते हुए नजर आते हैं। नव्या के पॉडकास्ट का ये सीजन 2 है। हाल ही में नए एपिसोड का एक प्रोमो शेयर किया गया है। जिसमें जया बच्चन यंग जनरेशन में एंग्जाइटी को लेकर बात करती हुई नजर आ रही हैं। व्हाट द हेल नव्या 2 के 6th एपिसोड में, जया बच्चन ने अपनी पोती, नव्या नवेली नंदा के साथ युवा पीढ़ी, जेन जी बच्चों की आदतों के बारे में अपने विचार शेयर किए। जया की मानें तो बच्चों को तुरंत हर कॉल और टेक्स्ट का जवाब देने का दबाव रहता है। एक्ट्रेस ने इंटरनेट के नुकसना और फायदे को लेकर भी बात की। जया ने कहा कि यंग जनरेशन में चिंता का एक बड़ा कारण उन्हें ऑनलाइन मिलने वाली ज्यादा जानकारी है। नव्या ने अपनी नानी से सवाल किया कि क्या पुरानी जनरेशन कम स्ट्रैस लिया करती थी। जिसका जवाब देते हुए जया ने कहा कि, हां बिल्कुल पुरानी पीढ़ी कम तनाव में रहती थी। हालांकि नव्या ने अपनी बात रखते हुए कहा कि वह तनाव महसूस नहीं करती हैं और वह इसे अच्छे संभाल भी लेती हैं। लेकिन जया ने उन्हें टोकते हुए कहा कि हमने बचपन में एंग्जाइटी अटैक के बारे में कभी नहीं सुना। बचपन की तो बात ही छोड़िए, हमने इसे अपने मध्य जीवन में भी कभी नहीं सुना। यह कहां से आता है? ऐसा इसलिए होता है क्योंकि आपको लगातार जानकारी दी जाती रहती है। यह लड़की कैसी दिखती है, कहां से आती है। वह अपने मेकअप कैसे कर रही है? इससे चिंता उत्पन्न होती है।

पिछले 50 सालों से नहीं पिया पानी, सिर्फ कोका कोला पीकर जिंदा है ये शख्स

इंसान के लिए पानी पीना कितना जरूरी है, ये तो हमें आपको बताने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि ये तो आप भी जानते होंगे कि पानी के बिना जीवन संभव नहीं है। मगर एक ब्राजील के एक व्यक्ति ने ऐसा दावा किया है, जिसे सुनकर आपको पानी के महत्व पर ही डाउट होने लगेगा। इस व्यक्ति का कहना है कि ये पिछले 50 सालों से सिर्फ कोका कोला पीकर जिंदा है, इसने पानी की 1 बूंद भी नहीं पी है। पर क्या ये वाकई मुमकिन है, या फिर वो सिर्फ झूठ बोल रहा है?

एक रिपोर्ट के अनुसार ब्राजील के बाहिया में रहने वाले 70 साल के रॉबर्ट पेड्रिा को अगर दुनिया में कोका कोला का सबसे बड़ा फैन कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। रॉबर्ट का कहना है कि वो पिछले 50 सालों से सिर्फ कोका कोला पी रहे हैं। उन्होंने सिर्फ पानी की एक बूंद ही पी होगी। बाकि खुद को हाइड्रेट रखने के लिए वो कोका कोला का ही सेवन करते हैं। उन्हें मधुमेह और दिल की बीमारी भी है, इसके बावजूद वो कोका कोला पीते हैं। कुछ सालों पहले रॉबर्ट जब कोविड की वजह से अस्पताल में भर्ती हुए थे, तब उन्होंने अपने अस्पताल के केयर चार्ट में ये साफ लिख दिया था कि वो दवाओं को पानी से नहीं, बल्कि कोका कोला से पिएंगे। सोशल मीडिया पर उनका ये चार्ट वायरल हुआ था। तब लोगों को लगा था कि वो झूठ बोल रहे हैं, मगर उनके 27 साल के पोते ने बताया था कि उसे जितना याद है, उसने अपने दादा को कभी कोका कोला के अलावा कुछ और पीते हुए नहीं देखा। जी1 ग्लोबो से हाल ही में बात करते हुए रॉबर्टो ने बताया कि उन्हें कई बीमारियां हैं, फिर भी वो कोक ही पीते हैं। उन्हें लगता है कि अगर कोक पीना इतना बुरा होता, तो उनकी अब तक मौत हो चुकी होती। पर वो जिंदा हैं। 50 सालों से उन्होंने पानी नहीं पिया है। उन्होंने डॉक्टरों से भी ये बात बोली कि उन्हें पानी पीना पसंद ही नहीं है। शख्स आइसक्रीम भी खाता है, तो उसके साथ कोक ही पीता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि उसके दिल में 6 स्टेंट पड़े हैं। उसे हार्ट अटैक भी आ चुका है। पर वो किसी की बात नहीं सुनता। शख्स ने कहा कि वो 70 साल का हो चुका है, अपनी जिंदगी जी चुका है, अब वो मरेगा भी तो कोई फर्क नहीं पड़ता, पर वो पानी नहीं पिएगा।

अजब-गजब | दूरी आधा किमी. से भी कम, बस 2 मिनट में जा सकते हैं पैदल!

यहां है दुनिया की सबसे छोटी रेल लाइन

दुनियाभर में लंबी दूरी के लिए रेलवे ट्रैक बिछाए गए, जिससे यात्रियों को एक जगह से दूसरी जगह जाने में आसानी हो। वो समय से अपने गंतव्य स्थल तक पहुंच सकें। इसके लिए सबसे ज्यादा मजबूत रेलवे नेटवर्क अमेरिका, चीन, रूस तथा भारत के पास है, जिसे सबसे लंबा माना जाता है। अमेरिका के पास ढाई लाख किलोमीटर का सबसे लंबा रेलवे नेटवर्क है, तो चीन के पास 1 लाख किलोमीटर का। रूस 85 हजार 500 किलोमीटर के साथ तीसरे स्थान पर तो भारत 65 हजार किलोमीटर के साथ चौथे नंबर पर है। लेकिन ये तो हो गए सबसे बड़े रेलवे वाले देश। लेकिन सबसे छोटी रेल लाइन वाले देश के बारे में जानते हैं?

यकीनन, नहीं जानते होंगे। लेकिन आपको बता दें कि दुनिया के सबसे छोटे देश में शुमार वेटिकन सिटी के पास सबसे छोटी रेल लाइन है, जिसकी कुल लंबाई महज 300 मीटर है। इतनी दूरी कि आप 2 मिनट के अंदर पैदल भी पार कर सकते हैं। लेकिन इस रेलवे ट्रैक पर परमानेंट कोई पैसेंजर ट्रेन नहीं चलती है। सिर्फ मालगाड़ी के लिए ही इस ट्रैक को बनाया गया है। इसका केवल एक रेलवे स्टेशन है, जिसका नाम सिट्टा वैटिकाना है। ये रेलवे लाइन सन् 1934 में खोली गई थी।

वेटिकन सिटी में मौजूद ये रेलवे लाइन 300 मीटर बाद इटली के रोमा सैन पिएट्रो रेलवे स्टेशन से जुड़ जाती है। हालांकि, साल 2015 में पहली बार सिट्टा वैटिकानो रेलवे स्टेशन से एक पैसेंजर ट्रेन भी चलनी शुरू हुई, जो हर शनिवार चलती है। यह ट्रेन इटली के कैसल गैन्डोल्फो तक जाती थी। लेकिन ज्यादातर इस ट्रैक पर मालवाहक ट्रेनें ही चलती हैं।

19वीं सदी में पोप शासित राज्यों को रेलवे से जोड़ने की योजना थी, लेकिन पोप ग्रेगरी XVI ने इस पर रोक लगा दी। उनका मानना था कि लोहे की सड़क, नरक की सड़क है। हालांकि, 1846 में उनकी मौत के बाद उनके उत्तराधिकारी पोप पायस IX ने एक रेल लाइन का निर्माण शुरू करवाया, लेकिन इसके पूरा होने से पहले ही 1860 में सार्डिनिया साम्राज्य की सेनाओं ने इस क्षेत्र पर कब्ज़ा कर लिया। लगभग 70 साल बाद वेटिकन सिटी में एक रेलवे स्टेशन के निर्माण और इतालवी रेल लाइनों से इसके जुड़ाव की गारंटी 11 फरवरी 1929 की लेटरन संधि द्वारा मिली। इटली और वेटिकन सिटी के रेलवे लाइनों के जुड़ाव की संधि के 3 साल बाद ट्रैक तैयार हो गया। मार्च 1932 में पहला लोकोमोटिव इंजन वाली ट्रेन ने वेटिकन सिटी में प्रवेश किया। हालांकि, स्टेशन आधिकारिक तौर पर 2 अक्टूबर 1934 को खोला गया था। वहीं, स्टेशन भवन का निर्माण 1929 और 1933 के बीच किया गया था, जो सफेद संगमरमर से बनी है। स्टेशन भवन के एक हिस्से का उपयोग यात्री स्टेशन और माल कार्यालय के रूप में होता है, जबकि दूसरे हिस्से में अब वेटिकन मुद्राशास्त्र और डाक टिकट संग्रह संग्रहालय है।

भाजपा संविधान को नष्ट करना चाहती है : राहुल

» खरगे बोले- मनुवादी मानसिकता थोपकर एससी, एसटी और ओबीसी के अधिकार छीन लेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि संविधान को 'फिर से लिखना और नष्ट करना भाजपा व आरएसएस का एजेंडा है और पार्टी के सांसद अनंतकुमार हेगड़े ने कहा है कि उनके दल को भारतीय संविधान बदलने के लिए 400 सीट जीतने की जरूरत है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि भाजपा सांसद की कथित टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और संघ परिवार के छिपे हुए इरादों की सार्वजनिक घोषणा है। पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि भाजपा सांसद का बयान तानाशाही थोपने के मोदी-आरएसएस के कुटिल एजेंडे को एक बार फिर उजागर करता है।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, मोदी सरकार, भाजपा और आरएसएस गुप्त रूप से तानाशाही लागू करना चाहते हैं, जिससे वे भारत के लोगों पर अपनी मनुवादी मानसिकता थोपकर एससी, एसटी और ओबीसी के अधिकार छीन लेंगे। खरगे ने आरोप लगाया, कोई चुनाव नहीं होगा, या ज्यादा से ज्यादा दिखावटी चुनाव हो जाया करेंगे। संस्थानों की स्वतंत्रता कम कर दी जाएगी। अभिव्यक्ति की आजादी पर बुलडोजर चलाया जाएगा। आरएसएस और भाजपा हमारे धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने और विविधता में एकता को नष्ट कर देंगे।उन्होंने कहा कि कांग्रेस संघ परिवार के इन गुप्त उद्देश्यों को सफल नहीं होने देगी। कांग्रेस प्रमुख ने कहा, न्याय, समानता और स्वतंत्रता संविधान के मजबूत स्तंभ हैं और इन सिद्धांतों में कोई भी बदलाव बाबासाहेब डॉ. आंबेडकर और हमारे श्रद्धेय संस्थापकों ने जिस भारत की कल्पना की थी, उसका अपमान होगा। राहुल गांधी ने आरोप लगाया, नरेन्द्र मोदी और भाजपा का अंतिम लक्ष्य बाबा साहेब के संविधान को नष्ट करना है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ''भाजपा सांसद का बयान कि उन्हें 400 सीट संविधान बदलने के लिए चाहिए, नरेन्द्र मोदी और उनके 'संघ परिवार' के छिपे हुए मंसूबों का सार्वजनिक ऐलान है। नरेंद्र मोदी और भाजपा का अंतिम लक्ष्य बाबा साहेब के संविधान को ख़त्म करना है। गांधी ने लिखा, उन्हें न्याय, बराबरी, नागरिक अधिकार और लोकतंत्र से नफ़रत है। समाज को बांटना, मीडिया को गुलाम बनाना, अभिव्यक्ति की आज़ादी पर पहरा और स्वतंत्र संस्थाओं को पंगु बनाकर विपक्ष को मिटाने की साजिश से वो भारत के महान लोकतंत्र को संकीर्ण तानाशाही में बदलना चाहते हैं। गांधी ने कहा, हम आज़ादी के नायकों के सपनों के साथ ये षड्यंत्र सफल नहीं होने देंगे और अंतिम सांस तक संविधान से मिले लोकतांत्रिक अधिकारों की लड़ाई लड़ते रहेंगे। संविधान का हर सिपाही, विशेष रूप से दलित, आदिवासी, पिछड़े और अल्पसंख्यक जागें, अपनी आवाज़ उठाएं - 'इंडिया' आपके साथ है।

हिमाचल में पार्टी-राज्य सरकार के बीच समन्वय के लिए समिति गठित

कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश में अपनी सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के लिए छह सदस्यीय समिति का गठन किया। समन्वय समिति के सदस्यों में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री और प्रदेश कांग्रेस प्रमुख प्रतिभा सिंह शामिल हैं। संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने हिमाचल प्रदेश में सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय के लिए एक समिति गठित करने के प्रस्ताव को तत्काल प्रभाव से मंजूरी दे दी है।" पार्टी के वरिष्ठ नेता कौल सिंह ठाकुर, धनीराम शांडिल और राम लाल ठाकुर भी समिति के सदस्य हैं। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के भीतर विभिन्न गुटों के साथ चर्चा के बाद पार्टी के तीन केंद्रीय पर्यवेक्षकों - भूपेंद्र हुड्डा, भूपेश बघेल और डी. के. शिवकुमार - ने इस समिति के गठन का प्रस्ताव रखा था। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के कुछ विधायकों द्वारा भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने के बाद से पार्टी को संकट का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस के छह विधायकों के 'क्रॉस वोटिंग' के कारण कांग्रेस उम्मीदवार अभिषेक सिंघवी राज्यसभा चुनाव हार गए। विधानसभा अध्यक्ष ने कांग्रेस के छह बागी विधायकों को अयोग्य घोषित कर दिया है।

हेगड़े की टिप्पणी व्यक्तिगत विचार : भाजपा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को संविधान में संशोधन पर पार्टी सांसद अनंत कुमार हेगड़े की टिप्पणी से उपजे विवाद को खत्म करने की कोशिश करते हुए इसे उनका ''व्यक्तिगत विचार'' बताया और उनसे स्पष्टीकरण मांगा। कर्नाटक के सांसद की टिप्पणी को लेकर विपक्ष द्वारा सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधने के बीच पार्टी प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि भाजपा ने हमेशा संवैधानिक लोकाचार और राष्ट्रीय हित के अनुरूप काम किया है। भाजपा की कर्नाटक इकाई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''संविधान पर सांसद अनंत कुमार हेगड़े की टिप्पणी उनके निजी विचार हैं और पार्टी के रुख को प्रतिबिंबित नहीं करती है। भाजपा देश के संविधान को बनाए रखने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराती है और हेगड़े से उनकी टिप्पणी के संबंध में स्पष्टीकरण मांगेगी।'

कर्नाटक के भाजपा सांसद पर बरसे जयराम रमेश

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भाजपा सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री और मोदी के पसंदीदा अनंत कुमार हेगड़े ने केवल वही बात कही है, जो पहले से पता है। उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा और आरएसएस का लक्ष्य बाबा साहब आंबेडकर के संविधान को पलटना है। कर्नाटक के भाजपा सांसद अनंत कुमार हेगड़े ने कथित तौर पर कहा है कि हमारे धर्म को बचाने के लिए भारतीय संविधान को बदलने की जरूरत है और भाजपा ऐसा केवल तभी कर सकती है, जब पार्टी 400 से अधिक लोकसभा सीटें जीत सके।

गरीब परिवार के लोग मेरे 'स्टार प्रचारक' : जगन मोहन रेड्डी

» बोले- टीडीपी, जनसेना और भाजपा का गठबंधन कमांडरों की फौज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। वाईएसआरसीपी के प्रमुख और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने तेदेपा, जनसेना और भाजपा के बीच गठबंधन होने के बाद कहा कि उन्होंने किसी दल के साथ गठबंधन नहीं किया है और वह गरीब परिवारों के 'स्टार' प्रचारकों के समर्थन से अकेले चुनाव लड़ेंगे। राज्य में लोकसभा और विधानसभा चुनावों से पहले यहां एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए न्याय और अन्याय के बीच कुरुक्षेत्र की लड़ाई (चुनाव) में अपनी तुलना अर्जुन से और जनता की तुलना श्रीकृष्ण से की।

रेड्डी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, मेरा विभिन्न दलों के साथ गठबंधन नहीं है, मैं अकेले चुनाव लड़ूंगा और मेरे पास गरीब परिवारों से आने वाले कई स्टार प्रचारक हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार, उनके पास तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू जैसे 10 स्टार प्रचारक या कई मीडिया हाउस नहीं हैं, जो उनका समर्थन और झूठ का प्रचार कर सकें। उन्होंने तेदेपा, जनसेना और भाजपा जैसे विपक्षी दलों के गठबंधन का मजाक उड़ाया और कहा कि वे कमांडरों के समान हैं, लेकिन उनके पास कोई सेना नहीं है।

कार को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मारी, छह की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जौनपुर। जौनपुर जिले के गौरा बादशाहपुर थाना क्षेत्र में बिहार से प्रयागराज जा रही कार को एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे कार में सवार एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) अजय पाल शर्मा ने बताया कि बिहार के सीतामढ़ी के रहने वाले गजाधर शर्मा अपने परिवार के नौ सदस्यों के साथ कार से अपने पुत्र चंदन शर्मा की शादी के लिए लड़की देखने प्रयागराज जा रहे थे।

एसपी ने बताया कि रविवार को देर रात लगभग ढाई बजे जब उनकी कार जौनपुर-केराकत मार्ग पर पहुंची तभी जौनपुर की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार लगभग 10 मीटर तक घिसटती चली गई और उसके परखच्चे उड़ गए। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी घायलों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

लालू यादव के करीबी सुभाष को ईडी ने किया गिरफ्तार

» बेऊर जेल शिफ्ट करने की चल रही तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के करीबी सुभाष यादव को ईडी की टीम ने गिरफ्तार कर लिया। सुभाष यादव के आठ ठिकानों पर छापेमारी चली थी। इसके बाद करीब दो करोड़ कैश बरामद और जमीन से जुड़े कई कागजात बरामद हुए थे। जांच के बाद ईडी की टीम ने सुभाष यादव को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद कोर्ट में पेश किया। ईडी की टीम की ओर से अब तक बयान जारी नहीं किया गया है। सुभाष यादव ब्रॉडसन कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्ट हैं। उन पर बालू के अवैध कारोबार करने का आरोप है।

वहीं इस गिरफ्तारी के बाद राजद खेमे में हड़कंप मचा हुआ है। इससे पहले राजद एमएलसी विनोद जायसवाल के ठिकाने पर इनकम टैक्स की टीम ने छापेमारी की थी। टीम ने पटना स्थित आवास पर रेड की थी।दरअसल, ईडी की टीम को सुभाष यादव के खिलाफ अवैध बालू कारोबार और मनी लॉन्ड्रिंग की शिकायत मिली थी। जांच के बाद टीम ने पटना के दानापुर, तकिया इलाके समेत सुभाष यादव के आठ ठिकानों पर छापेमारी की थी। टीम को कैश गिनने के लिए मशीन मंगवाना पड़ा था। इसके बाद मध्य रात्रि को सुभाष यादव को गिरफ्तार कर लिया गया।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में भारतीय टीम टॉप पर

» अब तीनों प्रारूप में शीर्ष पर काबिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। भारत ने धर्मशाला में इंग्लैंड को करारी शिकस्त देकर पांच मैच की श्रृंखला 4-। से जीतकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की नवीनतम टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक स्थान हासिल कर लिया। भारत ने ऑस्ट्रेलिया की जगह शीर्ष स्थान हासिल किया। इस तरह से भारतीय टीम खेल के तीनों प्रारूप की आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज हो गई है। भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में पहले ही शीर्ष पर बना हुआ है।

न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच क्राइस्टचर्च में चल रहे दूसरे टेस्ट मैच का परिणाम कुछ भी रहे रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम शीर्ष पर बनी रहेगी। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा विजेता ऑस्ट्रेलिया ने वेलिंगटन में पहला टेस्ट मैच 172 रन से जीता था और वह अभी श्रृंखला में।-0 से आगे है। भारत के टेस्ट रैंकिंग में अब 122 रेटिंग अंक हो गए हैं जो ऑस्ट्रेलिया से पांच अधिक हैं। इंग्लैंड की टीम 111 रेटिंग अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। वनडे में भारत के 121 रेटिंग अंक हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया 118 रेटिंग अंक के साथ दूसरे स्थान पर है।

टी20 में भारत के 266 अंक

टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के 266 अंक है। इंग्लैंड इस प्रारूप में 256 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। भारत सितंबर 2020 से जनवरी 2024 के बीच टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर रहा था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला बराबरी पर छूटने के कारण भारत दूसरे नंबर पर खिसक गया था।ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला में क्लीन स्वीप करके भारत की जगह पहला स्थान हासिल किया था। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में भारत हैदराबाद में खेले गए पहले टेस्ट मैच में 28 रन से हार गया था लेकिन इसके बाद उसने अगले चार टेस्ट मैच जीतकर शानदार वापसी करके आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में फिर से शीर्ष स्थान हासिल किया।

चुनाव आयोग को लेकर कोर्ट से सड़क तक चढ़ा सियासी पारा

» चुनाव आयुक्त गोयल के इस्तीफे पर उठ रहे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव आयुक्त गोयल के इस्तीफे के बाद से सियासी परा चढ़ गया है। पूरे विपक्ष ने इस मामले को लेकर मोदी व बीजेपी सरकार पर जमकर हमला बोल दिया है। आप, सपा, कांग्रेस ने कहा है सरकार कोई हेराफेरी करना चाहती है तभी इस तरह के घटना क्रम हो रहे हैं। उधर केंद्र ने 15 मार्च तक नए चुनाव आयुक्त की तैयारी शुरू कर दी इस बाबत एक याचिका सुप्रीम कोर्ट की चौखट पर पहुंच गयी है।

हालांकि बीजेपी ने विपक्ष के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है चुनाव आयोग स्वतंत्र है चुनाव कराने को। अरुण गोयल के इस्तीफे के बाद 3 सदस्यीय चुनाव पैनल में केवल मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ही बचे हैं। चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडे 65 वर्ष की आयु पूरी करने पर 14 फरवरी को सेवानिवृत्त हो गए थे।

सरकार को नियुक्ति के अधिकार के खिलाफ याचिका दाखिल

मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। कोर्ट में अर्जी दाखिल करके सरकार को नए अधिनियम के अनुसार मुख्य चुनाव आयुक्त और ईसी को नियुक्त करने से सरकार को रोकने की मांग की गई है। साथ ही याचिका में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के फैसले के अनुसार चुनाव आयोग के सदस्य की नियुक्ति के निर्देश देने की भी मांग की गई है। मध्य प्रदेश की कांग्रेस नेता जया ठाकुर इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची हैं।चुनाव आयुक्त अरुण गोयल के इस्तीफे के बाद मामला गहराया है। मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर केंद्र के नए कानून को चुनौती का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

राजनीति या आयोग के कामकाज पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं : आजाद

जम्मू कश्मीर के पूर्व सीएम गुलाम नबी आजाद ने चुनाव आयुक्त अरुण गोयल के पद से इस्तीफा देने के प्रकरण पर कहा, यह पहली बार नही है कि भारत मे किसी अधिकारी ने इस्तीफा दिया है, लेकिन निर्वाचन आयोग के लिए यह नया हो सकता है। कई वरिष्ठ अधिकारियो ने राजनीति मे शामिल होने के लिए अपने पदो से इस्तीफा दिया है।

जबसे भाजपा सत्ता में आई संविधानिक संस्थाएं दबाव में : अखिलेश

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनाव आयुक्त के इस्तीफे पर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिरकार सांविधानिक संस्थाओं पर चुनाव से पहले किसका दबाव है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि चुनाव आयोग से किसी अधिकारी का जाना पहली बार नहीं हुआ है। भाजपा की सरकार में ऐसा कई बार हुआ है।

गोयल ने क्यों दिया इस्तीफा बताए सरकार : आतिशी

आप नेता आतिशी ने कहा कि उनको भाजपा ने नियुक्त किया था और उनकी नियुक्ति का बचाव करने के लिए केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट गई थी। अब लोकसभा चुनाव से ठीक पहले त्यागपत्र की क्या वजह है? पूरे देश का एक ही सवाल है कि केंद्र सरकार ने चुनावों में ऐसी क्या हेराफेरी करने को कह दिया, जिसे उनका अपना व्यक्ति भी न कर सका और त्यागपत्र देना ज्यादा बेहतर समझा। पार्टी मुख्यालय में आतिशी ने सवाल किया कि जिस तरह अनिल मसीह से चंडीगढ़ मेयर चुनावों में चोरी करवाने की कोशिश की गई, क्या अरुण गोयल को भी ऐसा ही कुछ करने के लिए कहा जा रहा था? उनके त्यागपत्र के बारे में भाजपा पूरे देश को बताए, क्योंकि अरुण गोयल का कार्यकाल 2027 तक था। अरुण गोयल को वीआएस लेने के 24 घंटे के अंदर चुनाव आयुक्त बनाया गया था।

पीएम ने सशक्त नारी-विकसित भारत कार्यक्रम में दीदियों को सौंपे ड्रोन

» महिलाओं की सभी जरूरतों का ख्याल रखा : मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में आयोजित सशक्त नारी-विकसित भारत कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1000 दीदियों को ड्रोन सौंपा। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, यह कार्यक्रम भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आयोजित किया गया है। इसमें देशभर के 11 अलग-अलग स्थानों से नमो ड्रोन दीदियां शामिल हुई हैं। पीएम मोदी ने कहा, आज का ये कार्यक्रम महिला सशक्तीकरण के लिहाज से बहुत ऐतिहासिक है। आज मुझे नमो ड्रोन दीदी अभियान के तहत 1 हजार आधुनिक ड्रोन महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को सौंपने का अवसर मिला है।

मैंने ये फैसला लिया कि हमें अब 3 करोड़ लखपति दीदी के आंकड़े को पार करना है। इसी उद्देश्य से आज 10 हजार करोड़ रुपये की राशि भी इन दीदियों के खाते में ट्रांसफर की गई है। पीएम मोदी ने कहा, कोई भी देश हो, कोई भी समाज हो, वो नारीशक्ति की गरिमा बढ़ाते हुए, उनके लिए नए अवसर बनाते हुए ही आगे बढ़ सकता है, लेकिन दुर्भाग्य से देश में पहले जो सरकारें रही, उनके लिए आप सभी महिलाओं का जीवन, आपकी मुश्किलें कभी प्राथमिकता नहीं रही और आपको आपके नसीब पर छोड़ दिया गया था।

फोटो :4 पीएम

नामांकन सपा की ओर से विधान परिषद के लिए तीन प्रत्याशियों ने सोमवार को नामांकन दाखिल किया। पार्टी ने बलराम यादव, गुड्डू जमाली और किरण पाल कश्यप को उम्मीदवार बनाया है।

हम लोग महिला सशक्तिकरण की सिर्फ बात नहीं करते, करके भी दिखाते हैं : तेजस्वी

» एमएलसी चुनाव में उतारीं तीन महिलाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि महागठबंधन के पांच उम्मीदवारों ने एमएलसी चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया है, जिसमें से तीन महिलाएं हैं। हम लोग महिला सशक्तिकरण की बात हीं नहीं करते हैं, करके भी दिखाते हैं, महागठबंधन के एमएलसी सदन में बिहार की आवाज को बुलंद करेंगे। जनता के हित के मुद्दों को उठाएंगे। बिहार के विकास के लिए काम करेंगे।

बीजेपी सांसद अनंत कुमार हेगड़े ने कहा है की पार्टी अगर दो तिहाई सीटों के साथ सत्ता में आती है तो संविधान में बड़े बदलाव करेगी. इसपर तेजस्वी ने कहा कि जो भी संवैधानिक संरचना है उसे बर्बाद किया जा रहा है। जो भी संवैधानिक संस्थाएं हैं, उसको बीजेपी द्वारा हाईजैक किया जा रहा है। जबकि चिराग पासवान के महागठबंधन में शामिल होने के सावल पर तेजस्वी ने कहा कि मैं इस पर अभी कुछ नहीं बोलूंगा, यह समय बताएगा। बिहार विधान परिषद के विधानसभा कोटे की 11 सीटों के लिए चुनाव को लेकर नामांकन दाखिल करने का आज आखिरी दिन है।

राबड़ी देवी ने एमएलसी चुनाव के लिए किया नामांकन

बिहार विधान परिषद के लिए महागठबंधन के सभी पांच उम्मीदवारों ने आज सोमवार (11 मार्च) को नामांकन दाखिल किया। महागठबंधन की ओर से राबड़ी देवी, अब्दुल बारी सिद्दीकी, उर्मिला ठाकुर, सैयद फैसल अली और माले की शशि यादव ने पर्चा भरा। इस दौरान आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव और तेजस्वी यादव भी रहें। राबड़ी देवी के नामांकन भरने के बाद लालू ने विवट्री साइन दिखाया।

विधान परिषद में जीत को आश्वस्त उम्मीदवार

» एनडीए के 10 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

» 13 सीटों पर हैं चुनाव सपा ने भी तीन दावेदार उतारे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की 13 सीटों पर चुनाव के लिए आज एनडीए के दस प्रत्याशियों ने अपना नामांकन दाखिल कर दिया। इनमें बीजेपी के 7, सुभासपा से एक, आरएलडी से एक और अपना दल से भी एक एमएलसी उम्मीदवार ने पर्चा दाखिल किय। प्रत्याशियों के नामांकन के मौके पर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और कई बड़े मंत्री व पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

तय समय के मुताबिक सभी प्रत्याशी सुबह दस बजे पार्टी मुख्यालय पहुंचे, जहां पहले उनका स्वागत किया गया, जिसके बाद ये सभी एकसाथ विधानभवन पहुंचे जहां सभी प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। बीजेपी ने एमएलसी चुनाव के लिए पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह को भी टिकट दिया है। इनके अलावा जय बहादुर पाठक, अशोक कटारिया, मोहित बेनीवाल, धर्मेंद्र सिंह, रामतीरथ सिंघल और संतोष सिंह को प्रत्याशी बनाया है. रालोद की तरफ से योगेश चौधरी एमएलसी प्रत्याशी हैं। इनके साथ ही अपना दल सोनेलाल की ओर से पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष आशीष पटेल और ओम प्रकाश राजभर की सुभासपा की ओर से बिच्छेलाल राजभर ने नामांकन भर दिया।

21 को होगा मतदान

सोमवार यानी आज ही नामांकन की आखिरी तारीख है। 12 मार्च को नामांकन पत्रों की जांच होगी जबकि नाम वापसी की आखिरी तारीख 14 मार्च हैं। यूपी में 21 मार्च को विधान परिषद का चुनाव होगा और वोटिंग के बाद उसी दिन इसके नतीजे भी घोषित कर दिए जाएंगे। इस बार एमएलसी चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी भी पहले से ही अलर्ट है। सपा ने इस बार एमएलसी के लिए तीन प्रत्याशी ही उतारे हैं। सपा अतिरिक्त प्रत्याशी उतारकर दोबारा राज्यसभा चुनाव वाली गलती नहीं करना चाहती है। जिसकी वजह से उनकी पार्टी के सात विधायकों ने क्रॉस वोटिंग कर दी थी. सपा के पास तीन प्रत्याशियों के लिए पूरे नंबर हैं. इसलिए अखिलेश यादव कोई और रिस्क नहीं लेना चाहते।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।